हिंदी अध्यापक संघ
VICTERS CLASS - 13/10/21
10th Hindi, Notes
ठाकुर का कुआं

ഇന്നത്തെ ക്ലാസ് കേൾക്കുന്നതിന് ഇവിടെ ക്ലിക്ക് ചെയ്യൂ..

1, 'शेर का मुँह इससे अधिक भयानक न होगा।' यहाँ ठाकुर के दरवाज़े की तुलना शेर के मुँह से क्यों की गई के है ?

उत्तर : शेर का मुँह भयानक है। शेर के मुँह से कोई बच नहीं सकता। ठाकुर का दरवाज़ा भी ऐसा है। वहाँ हमेशा कुछ बेफिक्रे लोग होंगे। वे ठाकुर की हुकम के अनुसार कुछ भी करेंगे। इसलिए दोनों की तुलना की ।

2, गंगी के चरित्र पर टिप्पणी लिखें।

गंगी एक गरीब औरत है। अपनी गरीबी में सब कुछ सहकर वह जीती है। समाज के निम्न वर्ग की औरत होने के कारण उसे कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अपने बीमार पति को ताज़ा पानी पिलाने में असमर्थ गंगी बहुत परेशान होती है। उच्च वर्ग के लोगों के कुकर्मों को समझकर उसके मन में गुस्सा आता है। जाति-प्रथा के बारे में उसका प्रश्न यह है कि 'यह भिन्नता क्यों और कैसे आई?' गंगी का दिल ठाकुर जैसे लोगों की अनीति पर विद्रोह प्रकट करता है। उनके बुरे कामों पर वह घृणा भी प्रकट करती है। गंगी एक साहसी औरत भी है। अपने पति के लिए रात में पानी लाने के लिए वह ठाकुर के कुएँ की जगत पर पहुँचती है। अवसर पाकर पानी खींचती है लेकिन ठाकुर को आते देखकर वह भाग जाती है। पति को बदबूदार पानी पीते देखकर गंगी का मन दुःख से भर जाता है।

3, संगोष्ठी चलाएँ।
'जाति प्रथा एक अभिशाप है विषय पर आलेख तैयार करें और संगोष्ठी चलाएँ।

जाति प्रथा

प्राचीन भारत में जाति प्रथा हिंदू समाज का एक रिवाज था। इसपर दृष्टि डालने से ज्ञात होता है कि इस प्रथा का लोगों के सामाजिक और आर्थिक जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है।

जाति प्रथा का प्रचलन केवल भारत में ही नहीं, बल्कि मिश्र, और यूरोपीय आदि देशों में भी विद्यमान था। स्वतंत्रता के पहले केरल में जाति प्रथा प्रचलित थी। उच्च वर्ग और निम्न वर्ग जैसे भेद लोगों के बीच समस्याएँ उत्पन्न करके आगे बढ़ते थे।

राजनैतिक मत के अनुसार जाति प्रथा उच्च श्रेणी के लोगों की चाल थी। इसके अनुसार श्रमिक वर्ग के लोग निम्न वर्ग में आए। सभ्यता के विकास में छुआछूत ने बाधा डाली थी।भारत में इसी प्रकार की कुरीतियाँ चल रही थीं।

शिक्षा के प्रचार से यह सामाजिक बुराई दूर हो रही है। सदियों से शोषित जाति के लोगों के उत्थान के लिए अब सरकार उच्च स्तर पर कार्य कर रही है। संविधान द्वारा उनको विशेष अधिकार दिये गये हैं।

आज की पीढ़ी का कर्तव्य जाति व्यवस्था को समाप्त करना है, क्योंकि इसके कारण समाज में असमानता एकाधिकार, विद्वेष आदि बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं। हमारे संविधान के अनुसार हम सबका समान अधिकार है। इसके अनुसार आगे बढ़ें तो हम उन्नति के शिखर पर जल्दी ही पहुँच सकते हैं।

4, निराश लौटी गंगी ने देखा कि जोखू लोटे का गंदा पानी पी रहा है। इस प्रसंग पर दोने के बीच हुए संभावित वार्तालाप लिखे।

गंगी : जी, आप कहाँ हैं ?...

जोखू : कौन है उधर ?

गंगी : अरे, गंदी पानी पी रहे हैं ?

जोखू : बड़ी प्यास लग रही थी।

गंगी : गंदा पानी पीने से बीमारी बढ़ जाएगी न ?

जोखू : क्या, तू ताज़ा पानी लाई है ?

गंगी। : नहीं मिला।

जोखू : नहीं मिला? क्यों ?

गंगी : ठाकुर के कुएँ पर गई। पानी ले रही थी...

जोखू : तो ?

गंगी : ठाकुर का दरवाज़ा खुला। कुएँ की ओर आने लगे। में डर गई। घड़ा और रस्सी छोड़कर भाग आई।

जोखू : जाने दो। यह हम गरीबों क नसीब है। सब सहन कर लें।

किसी तरह मैदान तो साफ होना – ഒരുതരത്തിൽ രംഗം ആളൊഴിയുക
अमृत चुराना – अमृत की चोरी करना
सावधानी – care, attention, ശ്രദ്ധ
समझ–बूझकर – purposefully, മനപ്പൂർവ്വം
दबे–पाँव – ഒച്ചയുണ്ടാക്കാതെ
रस्सी का फंदा – knot of the rope, കയറിന്റെ കെട്ട്
दाएँ–बाएँ – right and left, വലതും ഇടതും
चौकन्नी दृष्टि से – ജാഗ്രതയുള്ള കണ്ണുകളോടെ
सिपाही – सैनिक, soldier
किले में सुराख करना – കോട്ടയിൽ ദ്വാരമുണ്ടാക്കുക
माफ़ी – excuse, മാപ്പ്
रियायत – concession, സൗജന്യം
रत्ती–भर – അണുപോലും
उम्मीद – प्रतीक्षा, expectation, waiting
कलेजा मज़बूत करना – മനസ്സിനെ ദൃഢപ്പെടുത്തുക
गोता लगाना – डूबना, മുങ്ങുക
अहिस्ता – धीरे–धीरे, slowly, സാവധാനത്തിൽ

दो–चार हाथ जल्दी मारे – മൂന്ന് നാല് തവണ വേഗത്തിൽ വലിച്ചു
कुएँ का मुँह – കിണറിന്റെ മേൽഭാഗം
शहजोर – बहुत मज़बूत, very strong, ശക്തനായ
झुकना – to bend, കുനിയുക
हाथ से रस्सी छूट जाना – കയ്യിൽനിന്ന കയർ വിട്ടുപോകുക
हिलकोरे – small waves, ചെറിയ ഓളങ്ങൽ